जून 2012

मान्नीय महोदय,

सादर जय जिनेन्द्र

माह के अंत में 30 जून का दिवस 18 वर्षों बाद सागर शहर के लिये एक नवीन प्रकाश लेकर आया। **प.पू. मुनि पुंगव श्री 108 सुधासागर जी महाराज ससंघ** का मंगल प्रवेश सागर शहर में हुआ जहॉ हजारों की संख्या में धर्मप्रेमियों ने मुनि श्री का आशीर्वाद लिया। इसी दिवस मुनि श्री के ही सानिध्य में **भाग्योदय तीर्थ** में **प.पू. आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज** के 45 वें दीक्षा दिवस समारोह का भव्य आयोजन किया गया। यहॉ मुनि श्री ने अपने आशीष वचनों में गुरूवर आचार्य श्री जी की लघुता गुण का बखान किया एवं बुन्देलखंड की जैन समाज को धर्म रक्षा की नवचेतना दी।

भाग्योदय तीर्थ पुण्य भूमि है, यहॉ पर साधु चरण पड़ते ही रहते हैं। इस माह **प.पू. तपोमती माता जी एवं प.पू. अनंतमती माता जी** ससंघ विराजमान रहीं एवं यहॉ प्राकृतिक चिकित्सा और आयुर्वेदिक चिकित्सा का लाभ लिया। तदुपरान्त प.पू. तपोमती माता जी महरौनी तथा अनंतमती माता जी दमोह की ओर चातुर्मास हेतु गमन कर गयी। **प.पू. मुनि श्री क्षमासागर जी महाराज** भी भाग्योदय तीर्थ प्राकृतिक चिकित्सालय से स्वास्थ लाभ प्राप्त कर गढ़ाकोटा की ओर चातुर्मास हेतु गमन कर गये।

यहॉ हम आपको बताना चाहते है कि **भाग्योदय तीर्थ चिकित्सालय** के प्रारंभिक समय से सन् 2001 तक मात्र 5 रूपये ओपीडी शुल्क था, 2005 तक यह शुल्क 10 रूपये हो गया तथा तब से लेकर अब तक 20 रूपये ओपीडी शुल्क लिया जा रहा है। स्थापना समय से वर्ष 2011 तक कुल ———————— पेसेण्ट आपकी संस्था में ओपीडी का लाभ ले चुके हैं।

जैसा कि आपको विदित है कि भाग्योदय तीर्थ रोजगारमूलक पाठ्यक्रम संचालन कर रहा है। विगत 2 जून को यहॉ की **फार्मेसी कॉलेज** में **इंडियन इम्मुनोलॉजिकल लिमिटेड हैदराबाद** द्वारा कैम्पस सिलेक्सन का आयोजन किया गया जिसमें शहर के 47 अभ्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इनमें से 28 अभ्यर्थियों को चयनित किया गया जिनमें 17 अभ्यर्थी **भाग्योदय तीर्थ फार्मेसी कॉलेज** के हैं।

तत्कालीन परिस्थितियाँ एवं सुरक्षा की दृष्टि से आपकी संस्था ने CCTV Camera एवं Hospital Computerization करने का महति निर्णय लिया है। इस कार्य की अनुमानित लागत 5 लाख रूपये आने की संभावना है।

माह जून 2012 में R.————————.00 की चेरिटी आपके संस्थान द्वारा मरीजों के लिए की गयी है।

उपरोक्त जानकारी पश्चात् आपसे अनुरोध है कि यदि आपका पोस्टल एड्रेस या दूरभाष नं. बदल गया हो या बदलने जा रहे हों तो हमें 09827250752 पर एसएमएस करके या btct.saugor@gmail.com पर अवगत कराने का कष्ट करें। साथ ही आपके परिवारजन/मित्रगण आदि भाग्योदय तीर्थ के सहयोगी रहे हों या सहयोगी बनना चाहते हैं तो उनके पता/दूरभाष नम्बर से भी अवगत कराने का कष्ट करें। ताकि उन्हें भी संस्था की गतिविधियों के बारे में जानकारी प्रेषित कर सकें।

प.पू. 108 आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की प्रेरणा एवं मंगलाशीष से निर्मित यह संस्थान आपके द्वारा दिये गये सहयोग से ही प्रगति पथ पर अग्रसर हैं तथा सम्पूर्ण बुन्देलखण्ड में पीड़ित मानवता की सेवार्थ जाना जाता है। आपका सहयोग ऐसा ही बना रहे ऐसी हमारी भावना है। पत्र के अंत में आपसे निवेदन है कि संस्था के हितार्थ आपका जो भी मार्गदर्शन हो हमें अवश्य अवगत कराने का कष्ट करें। भाग्योदय तीर्थ परिवार की ओर से . . .

संतोष खरे
जनसंपर्क अधिकारी